PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'ज्ञान का असली उद्देश्य ऊंचा उठना नहीं, बल्कि दूसरों को भी उठाने की क्षमता विकसित करना है; क्योंकि जो अकेले आगे बढ़ता है, वह सफल हो सकता है, लेकिन जो सबको साथ लेकर चलता है, वही सार्थक बनता है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-140 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 14 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'पे बैक टू सोसाइटी' की पुकार – क्या हम बाबा साहब की अपेक्षाओं पर खरे उतर रहे हैं?

भारतीय लोकतंत्र की नींव में यदि किसी एक व्यक्तित्व की दृष्टि, संघर्ष और दूरदर्शिता सबसे अधिक गहराई से समाहित है, तो वह हैं डॉ. भीमराव अंबेडकर। उन्होंने केवल संविधान का निर्माण नहीं किया, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की, जहां विविधताओं के बीच एकता हो, और समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान और अधिकार के साथ जीवन जी सके। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। बाबा साहब का संपूर्ण जीवन इसी लक्ष्य को समर्पित रहा–समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित एक सशक्त भारत का निर्माण। उन्होंने समाज के उस वर्ग को आवाज दी, जो सदियों से वंचित, शोषित और उपेक्षित रहा। लेकिन आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम उनके उस मिशन को आगे बढ़ा पा रहे हैं? बाबा साहब को विशेष रूप से समाज के पढ़े-लिखे वर्ग से बहुत उम्मीदें थीं। उनका मानना था कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी हथियार है। वे चाहते थे कि जो लोग शिक्षा और अवसरों के बल पर आगे बढ़े हैं, वे अपने समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को भी साथ लेकर चलें। लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत दिखाई देती है। आज का शिक्षित वर्ग, जो सरकारी नौकरियों, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक प्रतिष्ठा तक पहुंच चुका है, वह अक्सर अपने मूल समाज से कटता जा रहा है। 'पे बैक टू सोसाइटी' का सिद्धांत, जो बाबा साहब की विचारधारा का मूल था, वह कहीं खोता हुआ नजर आता है। सन् 1956 में शेड्यूल कास्ट फेडरेशन के एक कार्यक्रम में बाबा साहब ने गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा था कि 'मुझे समाज के पढ़े-लिखे लोगों से बहुत उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने मुझे धोखा दिया।' यह कथन केवल उस समय की स्थिति का नहीं, बल्कि आज के संदर्भ में भी उतना ही प्रासंगिक है।

यह 'धोखा' केवल व्यक्तिगत नहीं था, बल्कि एक विचारधारा और सामाजिक जिम्मेदारी से विमुख होने का प्रतीक था। बाबा साहब को यह आशंका पहले से थी कि यदि शिक्षित वर्ग अपने कर्तव्यों से भटक गया, तो समाज में असंतुलन और असमानता बनी रहेगी। यह भी एक ऐतिहासिक विडंबना है कि जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को उन्होंने स्वयं गढ़ा, उसी व्यवस्था में चुनाव लड़ने पर उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी नाराजगी चुनाव हारने को लेकर नहीं थी, बल्कि इस बात को लेकर थी कि समाज अभी भी उस चेतना स्तर तक नहीं पहुंच पाया, जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। आज के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है–क्या हम केवल अपने लिए पढ़-लिख रहे हैं? क्या शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी, वेतन और व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित हो गया है? यदि हां, तो यह बाबा साहब के सपनों के साथ अन्याय है। वास्तव में, शिक्षा एक साधना है–ऐसी साधना, जो न केवल व्यक्ति को, बल्कि पूरे समाज को बदलने की क्षमता रखती है। यदि एक शिक्षित व्यक्ति यह संकल्प ले कि वह अपने जीवन में कम से कम एक जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाएगा, तो यह एक छोटे स्तर पर ही सही, लेकिन एक बड़े सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है। समाज का पढ़ा-लिखा वर्ग यदि गांवों में जाकर, गरीबों के बीच बैठकर, उनके साथ संवाद स्थापित करे, उनके दु:ख-दर्द को समझे, तो यह केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय की दिशा में एक कदम होगा। यह भी जरूरी है कि हम 'अपनों' की परिभाषा को सीमित न रखें। केवल परिवार या अपने वर्ग तक सीमित रहकर समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। बाबा साहब का विचार व्यापक था–वे पूरे समाज को एक परिवार के रूप में देखते थे। आज आवश्यकता है कि हम आत्ममंथन करें। क्या हम वास्तव में बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर रहे हैं? या फिर केवल उनके नाम और प्रतीकों तक सीमित होकर अपनी जिम्मेदारी से बच रहे हैं? यदि हम सच में उन्हें श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो हमें अपने भीतर यह परिवर्तन लाना होगा। हमें अपने ज्ञान, संसाधनों और अवसरों का उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के उत्थान के लिए करना होगा।

अंततः, यही कहा जा सकता है कि– बाबा साहब का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से होगा।

जब समाज का हर शिक्षित व्यक्ति 'पे बैक टू सोसाइटी' के सिद्धांत को अपने जीवन में उतार लेगा, तभी बाबा साहब का सपना साकार होगा और भारत वास्तव में एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त राष्ट्र बन सकेगा।

आर्मी इंजीनियर ने एक साल में खरीदा 1.5-करोड़ का बंगला

30 लाख की SUV खरीदी, CBI संपत्ति की जांच में जुटी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर। जयपुर में 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़े गए सेना में असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर (AGE) सुधांशु सुमन की संपत्तियों की जांच शुरू हो गई है। सीबीआई से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नौकरी जॉइन करने के एक साल बाद ही आरोपी इंजीनियर ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान बंगला खरीदा। इसके बाद 30 लाख रुपए की कार भी खरीद ली। दो दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर CBI ने सोमवार को आरोपी को जोधपुर के विशेष कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 27 अप्रैल तक न्यायिक अभिरक्षा (ज्यूडिशियल कस्टडी) में भेज दिया है। इससे पहले शनिवार को गिरफ्तारी के बाद CBI टीम उसे जयपुर से जोधपुर लेकर पहुंची थी।

सर्विस प्रोफाइल और बिल पासिंग का खेल

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, बिहार के रहने वाले आरोपी सुधांशु सुमन ने साल 2019 में आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। साल 2023 में उसने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (MES) में AGE ('ग्रुप ए' ऑफिसर) के रूप में जॉइन किया। जयपुर के निवारू आर्मी कैंट में असिस्टेंट गैरिसन इंजीनियर के पद पर तैनाती के दौरान सुधांशु के जिम्मे सैन्य क्षेत्र के विभिन्न निर्माण कार्यों और उनसे जुड़े बिलों की तकनीकी जांच व पासिंग जैसे अहम काम थे। इन्हीं अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए उसने कथित तौर पर भ्रष्टाचार का रास्ता अपना लिया।

एक साल में खरीदा आलीशान बंगला

जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि एमईएस जैसी प्रतिष्ठित सेवा जॉइन करने के करीब एक साल के अंदर ही सुधांशु ने महंगी संपत्तियां जुटाना शुरू कर दिया। साल 2024 में उसने बिहार के भागलपुर में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए कीमत का एक आलीशान बंगला खरीदा। साल 2025 में जयपुर में करीब 30 लाख रुपए खर्च कर लेटेस्ट टॉप मॉडल की इलेक्ट्रिक एसयूवी (SUV) कार भी खरीदी। इतने कम समय में इस स्तर की प्रॉपर्टी खड़ी करने पर जांच एजेंसी भी हर पहलू को खंगालने में जुटी हैं।

आय से अधिक संपत्ति के एंगल से भी जांच

सूत्रों के मुताबिक, दो दिन की रिमांड के दौरान सीबीआई ने आरोपी से लंबी पूछताछ की है। उसके बैंक खाते, प्रॉपर्टी के कागजात, डिजिटल रिकॉर्ड और ट्रांजैक्शन डिटेल्स से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई हैं। गिरफ्तारी के बाद जयपुर स्थित आवास की तलाशी में 3 लाख रुपए की नकदी भी बरामद हुई थी। सीबीआई सूत्रों का कहना है कि सामने आई इन संपत्तियों और घोषित आय के बीच बड़े अंतर को देखते हुए अब आय से अधिक संपत्ति के एंगल से भी जांच की जा रही है। इसके लिए आरोपी की सैलरी, इनकम टैक्स रिटर्न और लोन के कागजों की जांच की जा रही है।

35 लाख के बिल पर मांगी थी 90 हजार की घूस

दरअसल, जोधपुर सीबीआई डीआईजी राजवीर सिंह के निर्देशन में टीम ने जयपुर में यह ट्रैप कार्रवाई की गई थी। परिवादी ने शिकायत दी थी कि सुधांशु सुमन उसका 35 लाख रुपए बकाया के बिल पास करने के लिए 90 हजार रुपए की घूस मांग रहा था। 10 अप्रैल को यह सौदा तय हुआ और 11 अप्रैल को जब आरोपी 50 हजार रुपए की पहली किस्त ले रहा था, तभी सीबीआई टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया था।

राजस्थान में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा

बाड़मेर, जैसलमेर में पारा 41 डिग्री के पार;? बीकानेर में चली धूलभरी हवा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान में गर्मी के तेवर तेज हो गए। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले 4-5 दिन आसमान साफ रहने और तेज गर्मी की आशंका जताई है। सोमवार को राज्य में सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज हुआ। बाड़मेर, जैसलमेर में सबसे ज्यादा गर्मी रही, जहां तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से चला गया। ये इस गर्मी सीजन का प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान है। इससे पहले मार्च में बाड़मेर में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

बीकानेर संभाग में देर शाम बदला मौसम

दिनभर तेज धूप और गर्मी के बाद बीकानेर संभाग के एरिया में देर शाम मौसम में बदलाव हुआ है। बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ के एरिया में देर शाम आसमान में हल्के बादल छाए और कई स्थानों पर धूलभरी हवा चली। सोमवार को चित्तौड़गढ़ में भी सीजन का सबसे गर्म दिन रहा, जहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यहां जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, चूरू से ज्यादा गर्मी रही। इन शहरों के अलावा जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर समेत अन्य शहरों में भी सुबह से तेज धूप रहने से दिन में गर्मी ज्यादा रही।

पश्चिम राजस्थान में और तेज होगी गर्मी

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य में अगले 4-5 दिन मौसम साफ रहेगा। पश्चिमी राजस्थान के कुछ जिलों में गर्मी और बढ़ेगी। इधर पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, अजमेर संभाग के साथ उदयपुर संभाग के एरिया में भी तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ेगा।

चिड़ावा में निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरने से मजदूर की मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर में खेतड़ी रोड स्थित APS स्कूल के पास एक निर्माणाधीन मकान में काम के दौरान टैरिस की दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान दौलत राम (50) पुत्र मातूराम निवासी अडूका के रूप में हुई है, जो भवन निर्माण कार्य से जुड़ा था। जानकारी के अनुसार दौलत राम दोपहर बाद खाना खाने के बाद टैरिस पर प्लास्टर का कार्य कर रहा था, तभी अचानक ऊपर की दीवार उस पर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत उसे उप जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि मृतक के परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है।

अंबेडकर जयंती मनाने का स्थान बदलने के लिए अधिशासी अधिकारी को दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा। डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा डॉक्टर अंबेडकर जयंती मनाने का स्थान बदलने के लिए सोमवार को समिति के अध्यक्ष राधेश्याम रचयिता के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में लिखा है जो डॉक्टर अंबेडकर जयंती मनाने का कार्यक्रम धनावता रोड पर स्थित अंबेडकर भवन में रखा गया था। उसके स्थान पर 7 बत्ती चौक उदयपुरवाटी में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सर्व समाज के लोगों द्वारा डॉक्टर अंबेडकर जयंती सात बत्ती चौक पर मनाई जाएगी। इस दौरान अध्यक्ष राधेश्याम रचयिता, नेहरू जेदिया,विक्रम असवाल, सुरेश कुमार, राजेंद्र कुमार ,मुकेश सैनी थे।

जयपुर में ट्रैफिक पुलिस की वर्दी का रंग बदलेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। जयपुर शहर में यातायात व्यवस्था मजबूत करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने विशेष प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत ट्रैफिक पुलिस में टीआई से लेकर एडिशनल डीसीपी के पदों में बढ़ोतरी की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस बेड़े के ट्रैफिक इंस्पेक्टर्स को 20 मॉडिफाइड बाइक मिलेंगी। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की वर्दी का रंग भी बदलेगा। अभी ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की शर्ट व्हाइट और पेंट नीले कलर की है। इतना ही नहीं ट्रैफिक की निगरानी एवं जाम की स्थिति का आकलन करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने देश के प्रमुख महानगरों की यातायात व्यवस्थाओं का अध्ययन एवं फील्ड विजिट किया। इसके बाद समीक्षा कर व्यापक सुधार की रूपरेखा बनाई है। इस इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को चरणबद्ध रूप से शहर में लागू किया जाएगा।

शिक्षित बनो! संगठित रहो! संघर्ष करो!

विश्व ज्ञान के प्रतीक,
भारतीय संविधान निर्माता,
भारत रत्न बाबा साहेब
डॉ. भीमराव अम्बेडकर
की 135वीं जयंती की
समस्त क्षेत्रवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेश कुमार चोपड़ा
संयुक्त सचिव,
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद,
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

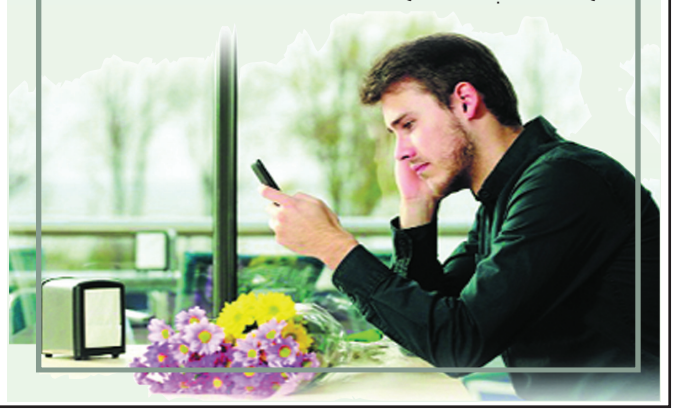

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

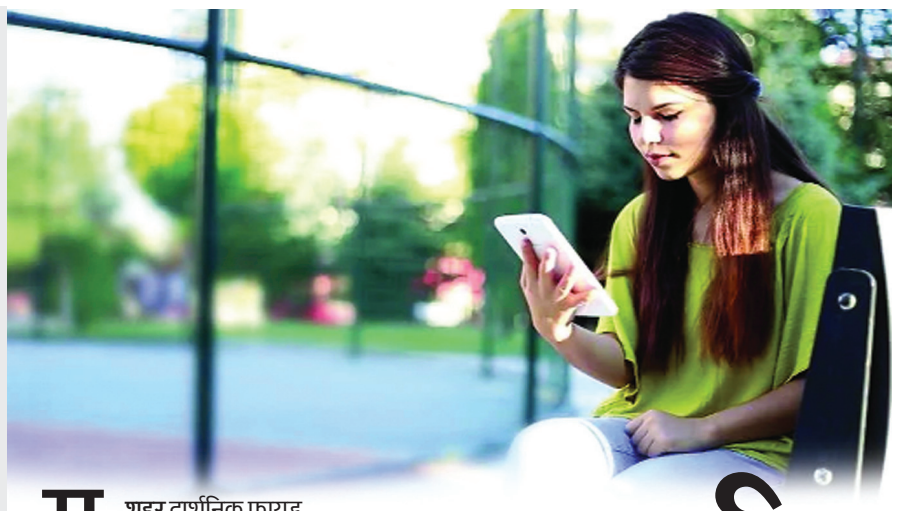

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

आरटीई दाखिला विवादः निजी स्कूलों की मनमानी चरम पर, अभिभावकों से बेखौफ फीस वसूली – विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में, शिक्षा विभाग बना मूकदर्शक

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत सत्र 2026-27 के लिए 12 मार्च को लॉटरी सिस्टम से चयनित 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों के दाखिले और पढ़ाई को लेकर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। संयुक्त अभिभावक संघ ने आरोप लगाया है कि निजी स्कूल संचालक खुलेआम नियमों की अवहेलना करते हुए अभिभावकों से न केवल अवैध फीस की मांग कर रहे हैं, बल्कि मनमाने दामों पर पुस्तकें और ड्रेस खरीदने के लिए भी बाध्य कर रहे हैं। संघ के अनुसार, कई निजी स्कूल प्रबंधन गरीब और जरूरतमंद अभिभावकों से स्पष्ट रूप से कह रहे हैं – 'सरकार से अनुदान नहीं मिलता, यदि बच्चों को पढ़ाना है तो फीस जमा करें, अन्यथा बच्चों को घर ले जाएं।' यह स्थिति न केवल कानून की अवहेलना है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि नया शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है और आरटीई प्रक्रिया के तहत विद्यार्थियों का चयन एक माह पूर्व ही हो चुका है, इसके बावजूद अब तक चयनित विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रारंभ नहीं हो पाई है। इससे अभिभावकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। संयुक्त अभिभावक संघ ने यह भी बताया कि अभिभावक इस संबंध में कई बार शिक्षा मंत्री, जिला शिक्षा अधिकारी एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को लिखित शिकायतें दे चुके हैं, लेकिन न तो कोई प्रभावी कार्यवाही की जा रही है और न ही विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर गंभीरता दिखाई जा रही है। विभागीय उदासीनता के चलते अभिभावक दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहाः 'यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर सरकार शिक्षा के अधिकार और समान अवसरों की बात करती है, वहीं दूसरी ओर निजी स्कूल खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और शिक्षा विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। यदि समय रहते सख्त कार्यवाही नहीं की गई, तो यह स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी।'

नगर निगम सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

सांगानेर।

जयपुर नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर थाने से चोरडिया पेट्रोल पम्प, रिको पुलिया से चोरडिया पेट्रोल पम्प एवं मालपुरा गेट से टूटी पुलिया तक स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 04 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सांगानेर थाने से चोरडिया पेट्रोल पम्प, रिको पुलिया से चोरडिया पेट्रोल पम्प एवं मालपुरा गेट से टूटी पुलिया तक स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 04 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया। दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

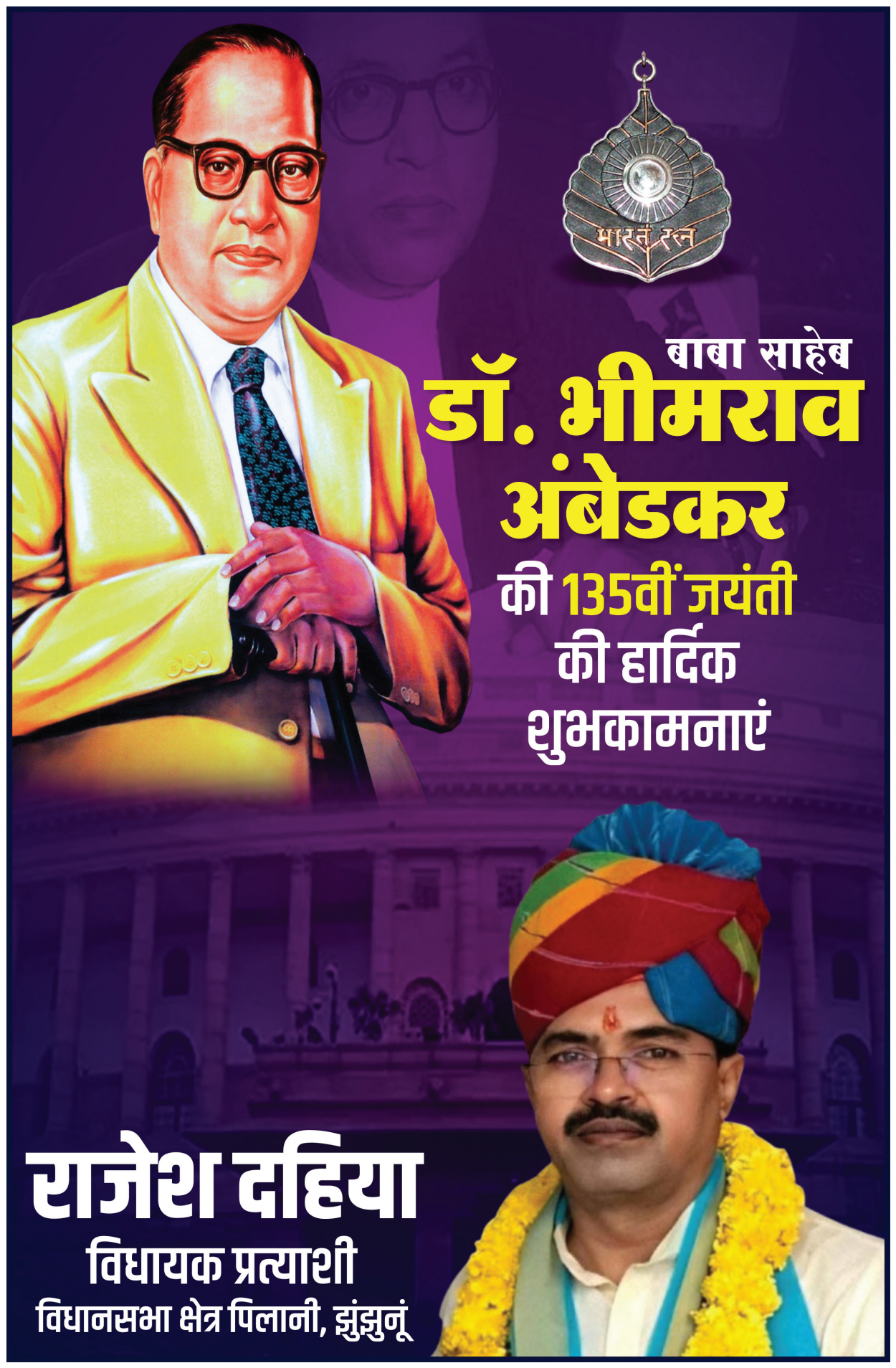

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में पश्चिमी विक्षोभ के कारण पिछले दिनों

हल्की वर्षा होने से तापमान में कमी दर्ज की जा रही थी। अब अधिकतम तापमान के साथ ही न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि हो रही है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले सप्ताह अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस था। शनिवार को यह बढ़कर 18.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। दिन में आसमान साफ रहने से अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को यह 32.8 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार को इसमें और वृद्धि का पूर्वानुमान है। हवा चलने के कारण दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में भी पिछले कई दिनों से सुधार है। शनिवार को भी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 123 यानी मध्यम श्रेणी में दर्ज हुआ। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार सोनिया विहार की हवा सबसे साफ रही। सुबह एक्यूआइ 49 यानी अच्छी श्रेणी में और शाम के समय 57 यानी संतोषजनक श्रेणी में रहा। वहीं, वजीरपुर सबसे प्रदूषित रहा। यहां सुबह के समय एक्यूआइ 210 यानी खराब श्रेणी में था, लेकिन शाम में इसमें सुधार हुआ और एक्यूआइ 175 यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में चालू 45 प्रदूषण निगरानी स्टेशनों में से किसी में भी औसत एक्यूआइ खराब श्रेणी में नहीं रहा।

छात्र बनेंगे 'पर्यावरण प्रहरी', निजी और सरकारी स्कूलों में लगाएंगे 3.5 लाख पौधे

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूलों में

बड़े स्तर पर हरियाली बढ़ाने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को मिलाकर 3.5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें एक लाख पेड़ और 2.5 लाख झाड़ियां शामिल हैं। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान को चरणबद्ध तरीके से लागू करें और हर माह पौधारोपण की प्रगति रिपोर्ट भेजें। निदेशालय ने सभी स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने, ग्रीन पैच बढ़ाने और वायु प्रदूषण कम करने के लिए घास व बेलें लगाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा पोस्टर, पेंटिंग, निबंध, नुक्कड़ नाटक और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित कर छात्रों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। शिक्षा विभाग ने 11 अगस्त 2026 को विशेष पौधारोपण दिवस घोषित किया है, जिस दिन अधिकतम पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि सभी स्कूल अगस्त 2026 तक अपने कुल लक्ष्य का 80 प्रतिशत पूरा कर लें। हर स्कूल को न्यूनतम 350 पौधे (100 पेड़ और 250 झाड़ियां) लगाने अनिवार्य किए गए हैं। निदेशालय ने कहा कि प्रमुख, इको-क्लब के शिक्षक और स्टाफ मिलकर पौधों की देखभाल सुनिश्चित करेंगे और छात्रों की भागीदारी से उनकी निगरानी करेंगे। इसके साथ ही पिछले सत्र 2025-26 में लगाए गए पौधों की सर्वाइवल रिपोर्ट भी एक बार जमा करनी होगी। जिला और जोन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस अभियान की नियमित निगरानी करें और समय-समय पर समेकित रिपोर्ट शिक्षा निदेशालय को भेजें।

'नारी सशक्तिकरण का संवैधानिक स्वर - बाबा साहब का अधूरा नहीं, जीवंत सपना '

भीम प्रज्ञा सामाजिक चिंतन@ मीना एच. पंवार।

भारतीय समाज की संरचना को यदि गहराई से समझा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास केवल आर्थिक या राजनीतिक प्रगति से

लेखक- मीना एच पंवार

नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन और समानता से तय होता है। इस संतुलन के केंद्र में यदि कोई सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है, तो वह है-नारी। और इस सत्य को सबसे पहले, सबसे गहराई से समझने वाले महापुरुष थे डॉ. भीमराव अंबेडकर।बाबा

डॉ. भीमराव अंबेडकर और रमाबाई अंबेडकर

साहब ने स्पष्ट रूप से कहा था- 'मैं किसी समाज की प्रगति को इस आधार पर मापता हूं कि उस समाज की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है।यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण सामाजिक दर्शन का सार है। वे जानते थे कि समाज में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वासों और असमानताओं को समाप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम है-महिला शिक्षा और सशक्तिकरण। इसी सोच के साथ, स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री के रूप में बाबा साहब ने हिंदू कोड बिल का ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा। यह केवल एक विधेयक नहीं था, बल्कि भारतीय नारी को समानता, सम्मान और अधिकार दिलाने की एक क्रांतिकारी पहल थी। इस बिल के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विवाह और तलाक में समानता, और सामाजिक सुरक्षा जैसे अधिकार देने का प्रयास किया। लेकिन दुर्भाग्यवश, उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और सामाजिक संकीर्णताओं के कारण इस प्रस्ताव को पूर्ण रूप से स्वीकार नहीं किया गया। यह वह क्षण था जब बाबा साहब ने अपने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देना उचित समझा। यह इस्तीफा केवल एक पद त्याग नहीं था, बल्कि यह उस सोच के खिलाफ एक सशक्त प्रतिरोध था, जो महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने से हिचक रही थी।

बाबा साहब का यह संघर्ष केवल नीतिगत नहीं था, बल्कि उनके व्यक्तिगत जीवन के अनुभवों से भी गहराई से जुड़ा हुआ था। उनकी जीवन संगिनी रमाबाई अंबेडकर के जीवन की पीड़ा और संघर्ष ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया था। जब वे उच्च शिक्षा के लिए विदेश में थे, तब आर्थिक तंगी और संसाधनों के अभाव में उनके बच्चों की असमय मृत्यु हो गई। यह एक ऐसी त्रासदी थी, जिसने बाबा साहब को यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया कि भविष्य में कोई भी महिला और मां ऐसी विवशता का सामना न करे। इसी संवेदना का परिणाम था कि उन्होंने महिलाओं के लिए श्रम अधिकार, मातृत्व अवकाश (Maternity Leave), समान वेतन और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे प्रावधानों को कानूनी स्वरूप देने की पहल की। आज जो हम सरकारी संस्थानों में मातृत्व अवकाश, आंगनबाड़ी केंद्र, और महिला सुरक्षा से जुड़े प्रावधान देखते हैं, वे कहीं न कहीं बाबा साहब की दूरदर्शिता का ही परिणाम हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, रोजगार के अवसर और राजनीतिक भागीदारी का अधिकार प्रदान करना-यह सब उनके प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। उन्होंने पुरुष प्रधान समाज में नारी को केवल 'सहायक' नहीं, बल्कि 'समान भागीदार' के रूप में स्थापित किया। आज, जब हम अंबेडकर जयंती के 135वें वर्ष में उनके योगदान को याद कर रहे हैं, तो यह भी देखना जरूरी है कि क्या हम उनके विचारों को केवल उत्सव तक सीमित कर रहे हैं, या वास्तव में उन्हें अपने जीवन में उतार रहे हैं।

यह गर्व की बात है कि आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में भी बाबा साहब के विचारों का प्रभाव दिखाई दे रहा है। लगभग 42 से अधिक देशों में उनके जीवन और दर्शन को सामाजिक क्रांति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या हम, उनके अपने देशवासी, उनके विचारों को सही मायने में समझ पा रहे हैं? नारी सशक्तिकरण केवल कानून बनाने से नहीं आता, बल्कि सोच बदलने से आता है। जब तक समाज में महिलाओं को बराबरी का सम्मान, निर्णय लेने की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भर बनने का अवसर नहीं मिलेगा, तब तक बाबा साहब का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता है कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें- महिलाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दें, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाएं, और सामाजिक निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें।

अंततः, यही कहा जा सकता है- बाबा साहब का नारी सशक्तिकरण का सपना कोई अधूरा अध्याय नहीं, बल्कि एक सतत आंदोलन है, जिसे हर पीढ़ी को आगे बढ़ाना होगा। यदि हम सच में उन्हें श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो हमें केवल उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित नहीं, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा-यही सच्चा सम्मान होगा, यही सच्चा राष्ट्र निर्माण।

सामाजिक न्याय के महानायक डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर: विचार, संघर्ष और आज की प्रासंगिकता

भीम प्रज्ञा विशेष जयंती।

भारत के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं जिनकी सोच, संघर्ष और उपलब्धियाँ केवल उनके समय तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाती हैं। ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर, जिन्हें हम स्नेह और सम्मान से 'बाबासाहेब' के नाम से जानते हैं। उनकी जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, समानता और न्याय के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है। 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती भारत ही नहीं, बल्कि विश्वभर में सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है। यह दिन हमें उनके संघर्षों, विचारों और योगदानों को याद करने के साथ-साथ यह भी सोचने पर मजबूर करता है कि हम उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में कितनी प्रगति कर पाए हैं।

प्रारंभिक जीवन और संघर्ष

डॉ. अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू (अब डॉ. अम्बेडकर नगर) में हुआ था। वे एक दलित परिवार से थे, जहाँ समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव ने उनके बचपन को गहराई से प्रभावित किया। स्कूल में उन्हें अलग बैठाया जाता था, पानी तक छूने की अनुमति नहीं थी-ऐसे अनेक अपमानजनक अनुभवों ने उनके भीतर बदलाव की आग जलाई।लेकिन इन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। उनकी लगन और प्रतिभा ने उन्हें उच्च शिक्षा के लिए विदेश तक पहुँचाया। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च डिग्रियाँ प्राप्त कीं। उस दौर में यह उपलब्धि किसी भी भारतीय के लिए बड़ी बात थी, और एक दलित के लिए तो असाधारण।

दरिया सिंह गोठवाल वरिष्ठ अध्यापक निवासी- आसलवास, तहसील- सूरजगढ़(झुंझुनूं)

शिक्षा और विचारधारा

डॉ. अम्बेडकर का मानना था कि 'शिक्षा वह शस्त्र है जिससे समाज में क्रांति लाई जा सकती है।' उन्होंने हमेशा शिक्षा, संगठन और संघर्ष को अपने जीवन का मूल मंत्र माना। उनका प्रसिद्ध नारा 'Educate, Agitate, Organize' आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने समाज के उस वर्ग को आवाज दी जिसे सदियों से दबाया गया था। उनके लेखन और भाषणों में स्पष्टता, तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण देखने को मिलता है। उन्होंने अंधविश्वास, जातिवाद और सामाजिक अन्याय का खुलकर विरोध किया।

संविधान निर्माण में योगदान

भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जब देश के लिए संविधान बनाने की जिम्मेदारी आई, तब डॉ. अम्बेडकर को संविधान सभा की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया। यह उनके ज्ञान, अनुभव और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण था। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे विस्तृत और प्रगतिशील संविधानों में गिना जाता है। इसमें समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों को प्रमुखता दी गई है।

उन्होंने सुनिश्चित किया कि संविधान में हर नागरिक को समान अधिकार मिले, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग से हो। विशेष रूप से अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था उनके दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिससे सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने का अवसर मिला।

सामाजिक सुधारक के रूप में भूमिका

डॉ. अम्बेडकर केवल एक संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जाति व्यवस्था को भारत की सबसे बड़ी सामाजिक समस्या माना और इसके खिलाफ निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने 1927 में महाड़ सत्याग्रह के माध्यम से दलितों को सार्वजनिक जल स्रोतों से पानी लेने का अधिकार दिलाने की लड़ाई लड़ी। इसी तरह नासिक के कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन के जरिए उन्होंने धार्मिक समानता की मांग उठाई। उनका मानना था कि 'जाति न केवल समाज को विभाजित करती है, बल्कि यह देश की प्रगति में भी बाधा बनती है।'

महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष

डॉ. अम्बेडकर महिलाओं के अधिकारों के भी प्रबल समर्थक थे। उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति का अधिकार, विवाह और तलाक में समानता देने की कोशिश की। उनका कहना था कि किसी भी समाज की प्रगति का स्तर उसकी महिलाओं की स्थिति से आँका जा सकता है। इसलिए उन्होंने महिलाओं को शिक्षा और अधिकार दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए।

बौद्ध धर्म की ओर रुख -

अपने जीवन के अंतिम चरण में डॉ. अम्बेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया। उनका मानना था कि बौद्ध धर्म समानता, करुणा और तर्क पर आधारित है, जो उनके विचारों के अनुरूप है। 1956 में उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण किया। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक क्रांति का एक बड़ा कदम था।

वर्तमान समय में प्रासंगिकता

आज जब हम बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती मनाते हैं, तो यह जरूरी है कि हम उनके विचारों को केवल किताबों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। आज भी समाज में जातिवाद, असमानता और भेदभाव के कई रूप देखने को मिलते हैं। ऐसे में उनके विचार हमें सही दिशा दिखाते हैं। डिजिटल युग में शिक्षा और जागरूकता के नए अवसर हैं, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ गई है कि हम इन अवसरों का उपयोग समाज को बेहतर बनाने के लिए करें।

युवा पीढ़ी के लिए संदेश

डॉ. अम्बेडकर का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को प्राप्त किया।आज के युवाओं को चाहिए कि वे शिक्षा को प्राथमिकता दें, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयास करें। सिर्फ सफलता प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना भी जरूरी है।

इराक में खत्म हुआ लंबा राजनीतिक गतिरोध

बगदाद, एजेंसी। इराकी संसद ने राजधानी बगदाद में एक अहम मतदान के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया है। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हल्बूसी ने रनऑफ मतदान में अमेदी को 227 वोट मिलने के बाद आधिकारिक विजेता घोषित किया। घोषणा के तुरंत बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण सत्र में 329 सदस्यों वाली संसद के करीब 250 सांसद मौजूद थे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए कम से कम 220 सांसदों की मौजूदगी जरूरी थी, इसलिए यह संख्या तय कोरम से अधिक थी। टीवी पर दिखाए गए सत्र के अनुसार, पैट्रियॉटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के उम्मीदवार अमेदी को पहले दौर में 208 वोट मिले। उनके मुकाबले में खड़े कुर्दिस्तान इस्लामिक यूनियन के मुथन्ना अमीन को 17 और मौजूदा विदेश मंत्री फुआद हुसैन को 16 वोट मिले। पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया। अमेदी बगदाद में पीयूके के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हैं। वे 2022 से 2024 तक इराक के पर्यावरण मंत्री रहे हैं और पूर्व इराकी राष्ट्रपतियों के सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। इराकी संविधान के तहत नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के पास 15 दिनों के भीतर संसद के सबसे बड़े दल के नेता को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित करने का अधिकार होता है। इसके बाद नामित उम्मीदवार के पास 30 दिनों के भीतर नई कैबिनेट गठित करने और विश्वास मत प्राप्त करने का समय होता है। इराक में पिछले साल नवंबर में संसदीय चुनाव हुए थे। इस मतदान से लंबे समय से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के खत्म होने का संकेत मिला है। कुर्द दलों के बीच सहमति की कमी और कोरम पूरा न होने की वजह से राष्ट्रपति का चुनाव बार-बार टल रहा था। साल 2003 के बाद इराक में सत्ता के बंटवारे की एक व्यवस्था बनी है।

अमेरिका के लिए शांति वार्ता से हटना नहीं आसान? विशेषज्ञ कुगेलमैन ने बताई असल वजह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बिना किसी समझौते के पाकिस्तान से रवाना होने को एक बड़ी राजनयिक विफलता के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, विल्सन सेंटर के दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन का मानना है कि इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता एक लंबी प्रक्रिया का केवल एक विराम है। कुगेलमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में तर्क दिया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की वरिष्ठता और व्हाइट हाउस पर पड़ने वाले घरेलू दबावों से संकेत मिलता है कि अमेरिका के बातचीत की मेज से दूर हटने की संभावना कम है।

विशेषज्ञ कुगेलमैन ने कहा, 'घरेलू राजनीतिक कारणों से अमेरिका एक ऐसे समझौते की तलाश में है, जो उसे युद्ध से बाहर निकलने में सक्षम बनाए। इतने वरिष्ठ समूह का पाकिस्तान तक उड़ान भरना अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वेंस की टिप्पणियों के बावजूद यह संभवतः खत्म

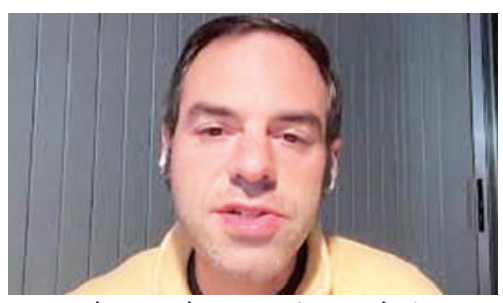

नहीं हुआ है। अभी और बातचीत हो सकती है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह पाकिस्तान में होंगी या कहीं और।'

अमेरिकी मतदाता विदेशी उलझनों से तेजी से थक रहे हैं और 2026 के आर्थिक संकट ने संसाधनों पर दबाव डाला है। ऐसे में प्रशासन पर क्षेत्रीय संघर्ष से निकलने की रणनीति बनाने का भारी दबाव है। 1979 के बाद से अमेरिका-ईरान के सबसे महत्वपूर्ण जुड़ाव की मेजबानी करके इस्लामाबाद ने वॉशिंगटन के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, खासकर ऐसे समय में जब प्रशासन विश्वसनीय मध्यस्थों की तलाश में है।

विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन के विश्लेषण से तीन संभावित रास्ते सुझाए गए हैं: जनता की नजरों से दूर निम्न-स्तरीय तकनीकी चर्चाओं को जारी रखी जाए, ताकि लेबनान के मामले का हल निकाला जा सके और कमियों का लाभ उठाया जा सके। भविष्य में उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन, संभवतः एक तटस्थ यूरोपीय शहर या मस्कट या दोहा जैसे पश्चिम एशियाई केंद्र में स्थानांतरित हो सकते हैं।

अगले औपचारिक दौर की शुरुआत से पहले ईरान को रियायतें देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका द्वारा अधिकतम दबाव वाली बयानबाजी का दौर चले।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में भारत-नेपाल संबंधों पर हुई विचार गोष्ठी

'भारत-नेपाल संबंधः अतीत से वर्तमान तक '

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सिंघानिया विश्वविद्यालय में भारत-नेपाल संबंधों पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और सांसद श्री राजेंद्र सिंह रावल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने की। मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह रावल ने नेपाल भारत के विभिन्न पहलूओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कुमाऊँ के संबंधों की प्रगाढ़ता के लिए अकबर ने बीरबल को भेजा था। उन्होंने कहा कि स्थापत्य, रक्त संबंध, दर्शन में हमारी एकता झलकती है। श्री रावल आगे कहते हैं कि जनक नंदनीसीता, महिर्षि वेदव्यास नेपाल के हैं। हमारी एकता की जड़ हमारी संस्कृति है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के साथ संबंधों को मजबूत करने का सुझाव दिया, जिसमें अनुसंधान, जल संरक्षण, डिजिटल ढांचा, पेटेंट अधिकार, युवा, लहर, रोजगार, एसडीजी, शांति, और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में विकास जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। अध्यक्षीय वक्तव्य में

डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि नेपाल की संस्कृति बहुत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि वहाँ की आवाभगत, प्रेम, लोगों की मदद करने की क्षमता उसकी पहचान को बनाए रखते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-नेपाल का यह साथ ऐसे ही बना रहेगा। उन्होंने कहा, 'हम चर्चा कर रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत है कि हम दोनों अपने देशों को उच्च सम्मान देते हैं। हम शिक्षा के क्षेत्र में नेपाल के साथ जुड़ने का इंतजार कर रहे हैं। आइए हम अंतर को भरें और वैश्विक नागरिक बनें।' विशिष्ट वक्ता डॉ. रामनिवास मानव ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि विश्वविद्यालय का अर्थ है विश्व का विद्यालय, जिसमें पूरे विश्व के लोग शामिल हैं। उन्होंने 1816 की सगौली संधि और 1950 की भारत-नेपाल सगौली संधि का उल्लेख किया, जिसमें नेपाल में एक राजा की नियुक्ति का प्रावधान किया गया था। उन्होंने कहा कि नेपाल और नाइजरिया ही दो ऐसे देश हैं जो कभी भी औपनिवेशिक शासन के अधीन नहीं आए। उन्होंने नेपाल से भारत के रोटी-बेटी के संबंध को बताया। सांस्कृतिक व वैचारिक समानता ही भारत-नेपाल के संबंधों का आधार है। विशिष्ट अतिथि महिपाल सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की हिंदी और नेपाली दोनों का मूल भाषा संस्कृत है। उन्होंने कहा कि धार्मिक तौर पर बौद्ध और हिंदू धर्म दोनों देश में समान रूप से व्यवहार में लाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार, वाणिज्य और रक्षा के क्षेत्र में हमारे संबंध काफी मजबूत हैं। महिपाल ने अपने वक्तव्य में विश्वविद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उनके कॉलेज में समाजशास्त्र पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समर्थन करने के लिए विषय विशेषज्ञ प्रदान किए।

विशिष्ट वक्ता भानुदत्त आचार्य ने भारतीय संस्कृति को नेपाल की संस्कृति से जोड़ा और कहा कि नेपाल-भारत का संबंध बहुत पुराना है। उन्होंने कहा कि मीडिया इस संबंध को तोड़ सकता है या बना सकता है। अधिवक्ता दिनेश कुमार, अध्यक्ष, राजवंशी शिक्षा निकेतन, दोचना ने नेपाल की संस्कृति को भगवान से जोड़ते हुए अपनी बात रखी। परिसर निदेशक प्रो. पीएस जस्सल ने स्वागत वक्तव्य से कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। रजिस्ट्रार श्री एम आई हाशमी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर प्रो. अरविंद कुमार और प्रो. एस के दुबे द्वारा लिखित '5जी इवोल्यूशन एंड इट्स इम्पैक्ट' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना में आत्मरक्षा एवं यातायात सुरक्षा पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना में सोमवार को विद्यार्थियों को आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बुहाना थाना प्रभारी बिमला बुडानिया रहीं।अपने संबोधन में श्रीमती बुडानिया ने विद्यार्थियों, विशेष रूप से छात्राओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सतर्क एवं आत्मविश्वासी रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, विशेषकर दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा सड़क पार करते समय नियमों का पालन करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही उन्होंने किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के लिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को किसी भी परेशानी या आपात स्थिति में सहायता हेतु अपना संपर्क नंबर भी साझा किया, जिससे उनमें सुरक्षा के प्रति विश्वास एवं साहस का संचार हुआ। उन्होंने विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करें, ताकि वे विद्यार्थी जीवन में एक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बन सकें और समाज की भलाई के लिए अपना योगदान दे सकें। उन्होंने यह भी कहा कि एक शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है, इसलिए बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य मनमोहन शर्मा एवं प्रबंधक हवा सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के परीक्षा प्रभारी पंकज शर्मा, अकाउंट्स ऑफिसर संदीप दायमा, लोकेन्द्र कुमार, मुस्कान अग्रवाल, आशीष नेहरा, संदीप कुमार, सनी शर्मा,

चंद्रेश भारद्वाज, सुनीता पॉल, पूनम यादव, मुनेश कुमारी, अंशु तंवर, बबीता कुमारी, सरिता कुमारी, अंकिता पुनिया, पूनम शर्मा, मनीषा शर्मा, रवीना तंवर, पूनम जांगिड़ सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य मनमोहन शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे आज प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं और स्वयं के साथ-साथ समाज की सुरक्षा में भी योगदान दें। विद्यालय प्रबंधक हवा सिंह ने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं जागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आएगा। अंत में प्रधानाचार्य मनमोहन शर्मा ने मुख्य अतिथि का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा कहा कि उनके द्वारा दी गई सभी महत्वपूर्ण बातों का विद्यार्थी गंभीरता से पालन करेंगे।

डिजिटल युग में अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर हारट्रोन में प्रेरणादायक संगोष्ठी आयोजित

'डिजिटल युग में अंबेडकर के विचार सामाजिक समानता की नई दिशा देते हैं' – सुंदर लाल जोरासिया

'डिजिटल शिक्षा के माध्यम से ही अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना संभव– सुंदर लाल जोरासिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.महेंद्रगढ़।

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर हारट्रोन स्किल सेंटर,सतनाली मोड़ स्थित जीआर इंस्टिट्यूट सभागार में 'डिजिटल युग में अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता 'विषय पर एक गरिमामय एवं विचारोत्तेजक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ.मनोज गौतम ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में अंबेडकरवादी चिंतक डॉ भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़ के प्रधान

प्रतिनिधि सुंदरलाल जोरासिया ने अपने ओजस्वी विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।अपने संबोधन में सुंदर लाल जोरासिया ने कहा कि आज का डिजिटल युग केवल तकनीकी विकास का प्रतीक नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम भी है। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से ही अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना संभव है।उन्होंने अंबेडकर के मूल मंत्र 'शिक्षित बनो,संगठित रहो,संघर्ष करो 'को वर्तमान समय में और भी अधिक प्रासंगिक बताते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म शिक्षा के प्रसार,सामाजिक जागरूकता और अधिकारों की जानकारी को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी साधन बन चुके हैं। डिजिटल युग में अंबेडकर के विचार सामाजिक समानता की नई दिशा देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंबेडकर का सपना एक ऐसे समाज का निर्माण था,जहां समानता,न्याय और अवसरों की बराबरी हो।आज आवश्यकता इस बात की है कि डिजिटल संसाधनों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे,ताकि डिजिटल असमानता समाप्त हो और वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना हो सके। जोरासिया ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया और इंटरनेट का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं,बल्कि ज्ञानार्जन,कौशल विकास और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ.मनोज गौतम ने अपने संबोधन में कहा कि अंबेडकर के विचार केवल इतिहास तक सीमित नहीं हैं,बल्कि वे आज भी हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और तकनीक का समन्वय ही समाज को सशक्त बनाने का सबसे बड़ा आधार है। यदि युवा अंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाकर डिजिटल युग की संभावनाओं का सही उपयोग करें,तो वे न केवल अपने भविष्य को संवार सकते हैं,बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने भारतीय संविधान में निहित समानता,स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को जीवन में उतारने का आह्वान किया।कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और युवाओं ने भी विषय पर अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त कीं और अंबेडकर के विचारों को अपनाने का संकल्प लिया।

महवा की गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का संदेश–'संगठन ही शक्ति, बिखराव ही कमजोरी

आरएसएस संगठन की प्रमुख जन गोष्ठी का हुआ सफलतापूर्वक आयोजन।

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आदर्श विद्या मंदिर परिसर में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी रविवार को एक वैचारिक मंथन का केंद्र बन गई, जहां संघ के वरिष्ठ वक्ता कैलाश जी ने देश की वर्तमान सामाजिक संरचना, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भविष्य की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए साफ शब्दों में कहा कि 'जिस समाज में संगठन की ताकत कमजोर होती है, वहां वैभव का सूरज भी धुंधला पड़ जाता है।' उन्होंने कहा कि आजादी के सौ वर्षों के करीब पहुंचते भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक बिखराव की है, जिसे दूर किए बिना राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाना संभव नहीं होगा। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कैलाश जी ने केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन और विचारों का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने लगभग एक सदी पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना केवल एक संगठन खड़ा करने के लिए नहीं, बल्कि एक ऐसे अनुशासित और जागरूक समाज के निर्माण के लिए की थी, जो हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर हेडगेवार ने अपने अनुभवों से यह निष्कर्ष निकाला था कि ज्ञान, पराक्रम और संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद भारत लंबे समय तक विदेशी शासन के अधीन इसलिए रहा क्योंकि समाज भीतर से संगठित नहीं था और छोटी-छोटी बातों में बंटा हुआ था। अपने उद्बोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 'व्यक्ति निर्माण ही राष्ट्र निर्माण की

पहली सीढ़ी है' और यही सिद्धांत संघ की शाखाओं में व्यवहारिक रूप में दिखाई देता है, जहां वर्षों से स्वयंसेवकों के माध्यम से समाज सेवा, जागरण और संस्कार निर्माण का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघ का उद्देश्य केवल विचार देना नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का संचार करना है, जिससे समाज में स्थायी परिवर्तन संभव हो सकें। कैलाश ने अपने संबोधन में सामाजिक समरसता, 'स्व' के भाव, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक शिष्टाचार जैसे विषयों को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जब तक व्यक्ति स्वयं के भीतर बदलाव नहीं लाएगा, तब तक किसी भी नीति या योजना का वास्तविक लाभ समाज तक नहीं पहुंच पाएगा। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि 'बदलाव की मशाल बाहर नहीं, भीतर जलानी होगी, तभी समाज में उजाला होगा।' उनके उद्बोधन के दौरान उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने भी विभिन्न विषयों पर प्रश्न रखे, जिनका उन्होंने तथ्यात्मक और संतुलित जवाब देते हुए समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुआ, जिसके बाद परिसर में साहित्य की स्टॉल लगाकर राष्ट्रवाद, सेवा, संस्कार और महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकों का प्रदर्शन और वितरण किया गया।

फतेहाबाद साइबर पुलिस की सराहनीय पहल – गुम मोबाइल बरामद कर लौटाए, लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

तकनीक और सतर्कता के समन्वय से 10 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक रिकवर

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के निर्देशन में साइबर थाना फतेहाबाद ने तकनीक का प्रभावी और सटीक उपयोग करते हुए उत्कृष्ट पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया है। साइबर टीम द्वारा विभिन्न शिकायतों में गुम हुए 10 मोबाइल फोन ट्रेस कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए, जिनकी अनुमानित कीमत लाखों रुपये है। पुलिस

अधीक्षक कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान एसपी श्रीमती निकिता खट्टर ने मोबाइल फोन मालिकों को व्यक्तिगत रूप से उनके फोन लौटाए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और तकनीक के माध्यम से ऐसे मामलों में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा रहे हैं।

आईएमईआई ट्रैकिंग से मिली सफलता – साइबर टीम की सतर्क निगरानी जारी

साइबर थाना फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आईएमईआई आधारित ट्रेसिंग, लोकेशन विश्लेषण तथा डिजिटल सर्विलांस के माध्यम से यह सफलता हासिल की। पूरे अभियान के दौरान शिकायतों की गहन जांच, डेटा विश्लेषण और त्वरित फॉलो-अप को प्राथमिकता दी गई। मोबाइल फोन वापस पाने वाले नागरिकों ने बताया कि फोन गुम होने के बाद उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन फतेहाबाद पुलिस की तत्परता और तकनीकी प्रयासों से उन्हें बड़ी राहत मिली।एस पी महोदया ने बताया कि साइबर थाना फतेहाबाद न केवल साइबर अपराधों की रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, बल्कि आम नागरिकों की दैनिक समस्याओं के समाधान के लिए भी पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। फतेहाबाद पुलिस की यह पहल जनसेवा, तकनीकी दक्षता और जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रैफल्स लॉ स्कूल द्वारा डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती का भव्य आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के रैफल्स लॉ स्कूल द्वारा डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की 135 वीं जयंती 13 अप्रैल 2026 को अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। यह आयोजन भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक को समर्पित था, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ रैफल्स लॉ स्कूल के डीन, डॉ. प्रणय कुमार आदित्य के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) आर. एस. सांगवान ने अपने संबोधन में डॉ. अम्बेडकर के दूरदर्शी नेतृत्व और समावेशी समाज के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। रैफल्स विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, डॉ. संजय सक्सेना ने वर्तमान प्रशासनिक और संस्थागत व्यवस्थाओं में डॉ. अम्बेडकर के विचारों की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। डीन अकादमिक, डॉ. दीपक दास ने शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। अलाब्बार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डीन, प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में

नेतृत्व, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में डॉ. अम्बेडकर के जीवन से सीख लेने पर बल दिया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रूपेश मलिक ने भी अपने संबोधन में डॉ. अम्बेडकर के कानूनी एवं सामाजिक योगदानों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन डॉ. अजय प्रताप सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री आदित्य प्रताप सिंह एवं डॉ. दीपिका मिश्रा द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ. अम्बेडकर की अमर विरासत को स्मरण करने के साथ-साथ उपस्थित सभी लोगों को न्याय, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

गहलोत अपने कार्यकाल में हुई कुर्सी की खींचतान भूल गए- मदन राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर तीखा जवाब देते हुए कहा कि गहलोत जी अपनी पार्टी की अंदरूनी खींचतान और विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा पर अनावश्यक टिप्पणी कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा, 'गहलोत जी अपने कार्यकाल में हुई कुर्सी की खींचतान और होटल में बाडाबड़ी भूल गए हैं। भाजपा एक अनुशासित पार्टी है, जबकि कांग्रेस में आज भी नेतृत्व को लेकर गुटबाजी चरम पर है। अशोक गहलोत, सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली के बीच वर्चस्व की लड़ाई सबके सामने है। ' उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे भाजपा की वरिष्ठ एवं सम्मानित नेता हैं। उनके योगदान पर सवाल उठाना राजनीतिक अवसरवाद है। मदन राठौड़ ने आगे कहा कि आज भारत विश्व मंच पर सशक्त और निर्णायक नेतृत्व के रूप में स्थापित है, जिसकी पूरी दुनिया सराहना कर रही है। पाकिस्तान का उदाहरण देकर भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। राठौड़ ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का एकजुटता का दावा पूरी तरह खोखला है। गहलोत जी को पहले अपना घर संभालना चाहिए। भाजपा पूरी तरह एकजुट है और पार्टी का हर कार्यकर्ता अनुशासित रूप से काम कर रहा है।

गेहूं खरीद प्रक्रिया का जायजा लेने अतिरिक्त अनाज मंडी पहुंचे राज्यसभा सांसद सुभाष बराला

बायोमेट्रिक, ऑनलाइन पोर्टल सहित खरीद की सभी नई व्यवस्थाएं चल रही सुचारू: सुभाष बराला

सांसद ने मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर किसानों के लिए तमाम सुविधाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने अतिरिक्त अनाज मंडी, टोहाना का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंडी में किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया और खरीद कार्य को पारदर्शी एवं सुचारू तरीके से सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सांसद सुभाष बराला ने कहा कि अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं सही रूप से उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा लागू की गई नई व्यवस्थाएं जैसे फोटोग्राफी, किसानों की वेरिफिकेशन, ऑनलाइन पोर्टल और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन वर्तमान में पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारी, किसान, मजदूर और संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं, ताकि किसी भी किसान को अपनी फसल बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, पिछले एक-दो दिनों से मौसम भी साफ है, जिससे गेहूं खरीद प्रक्रिया और भी निर्बाध गति से चल रही है। सांसद ने मंडी में मौजूद किसानों का हालचाल जाना और गेहूं खरीद में आने वाली किसी भी परेशानी के बारे में उनसे सीधा संवाद स्थापित किया। एक किसान से हुए संवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि उक्त किसान, जिसने पहले भी मंडी में अपनी फसल बेची है और मौके पर भी गेहूं लेकर आया है, वह खरीद प्रक्रिया और प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई गई सुविधाओं से पूरी तरह संतुष्ट है। पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए सांसद ने बताया कि अतिरिक्त अनाज मंडी में पानी की किल्लत न हो, इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर खड़े करवाए गए हैं। इसके साथ ही, जल्द ही अतिरिक्त अनाज

मंडी में स्थायी जल आपूर्ति के लिए वाटर कूलर भी स्थापित किए जाएंगे। मंडी दौरे के दौरान राज्यसभा सांसद ने वहां काम कर रहे मजदूरों से भी आत्मीय संवाद किया और उनसे बेझिझक होकर अपनी समस्याएं बताने को कहा। इस पर मजदूरों ने संतोष जताते हुए बताया कि सरकार और प्रशासन द्वारा मंडी में पर्याप्त और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इसके उपरांत, सांसद सुभाष बराला ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर निर्देश दिए कि किसानों, मजदूरों और व्यापारियों की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और उनके लिए मंडी परिसर में तमाम आवश्यक सुविधाएं निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाएं।

कायसा ग्राम पंचायत में बाल विवाह मुक्त भारत विषय पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराणा।

रमेशचंद । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपुतली एवं तालुका बहरोड़ के तत्वावधान में सोमवार को ग्राम पंचायत कायसा में 'बाल विवाह मुक्त भारत' विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति जागरूक करना तथा इसके दुष्परिणामों की जानकारी देना रहा। इस दौरान न्याय मित्र किरण ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि बच्चों के बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर सीधा हमला है। उन्होंने बताया कि भारत में वर्ष 2006 से बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू है, जिसके तहत लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है। ग्राम पंचायत कायसा के सरपंच भूपसिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाल

विवाह मुक्त भारत तभी संभव है जब समाज इसे केवल पुलिस का मामला नहीं बल्कि सामाजिक शर्म के रूप में देखे। उन्होंने कहा कि वास्तविक बदलाव शिक्षा, संवाद, कानूनी जानकारी एवं आर्थिक सशक्तिकरण से ही आएगा। शिविर के दौरान सचिव नवीन सोनी, नवीन कुमार, ब्लॉक संसाधन व्यक्ति बाबूलाल चर्खिया, पूनम कुमारी, मंजू, सरला, सुमन, सुनीता सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अश्व क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ानः महाराष्ट्र सरकार करेगी एमओयू

भीम प्रज्ञा न्यूज

पुणे। महाराष्ट्र सरकार अश्व क्षेत्र (इक्वाइन सेक्टर) को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के साथ सहमति पत्र (एमओयू) साइन करने जा रही है। यह घोषणा पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री पंकजा मुंडे ने 'द इक्वेस्ट्रियन फोरम 2026' के उद्घाटन समारोह में की। कार्यक्रम 'द इक्वाइन कलेक्टिव' द्वारा एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के तत्वावधान में आयोजित किया गया। मंत्री ने कहा कि अश्व क्षेत्र केवल खेल नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम है।'द इक्वाइन कलेक्टिव' की संस्थापिका गायत्री कराड ने बताया कि भारत का अश्व क्षेत्र अभी असंगठित है और इसमें कुशल प्रशिक्षण की कमी है। फोरम के जरिए कौशल विकास और करियर के अवसर पैदा करने का लक्ष्य है। समारोह में विपणन मंत्री जयकुमार रावल, डॉ. राहुल कराड, डॉ. अदिति कराड और नेशनल हॉर्स ब्रीडिंग सोसाइटी के डॉ. एफ.एफ. वाडिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद 'नीति और प्रशासन' पर चर्चा हुई, जिसके आधार पर जल्द ही एक श्वेत पत्र जारी किया जाएगा।

सूरजगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय जाट दिवस मनाया, वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ में जाट धर्मशाला निर्माण स्थल पर पूर्व सरपंच धर्मपाल पीपली की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय जाट दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दानदाता सीताराम भगासरा का सम्मान किया गया तथा जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों सहित देश और समाज के लिए बलिदान देने वाले जवानों, क्रांतिकारियों, राजाओं व किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में हिन्द शिरोमणि एवं हिन्दू धर्म रक्षक महाराजा सूरजमल को भी याद किया गया। संचालन करते हुए जाट समाज अध्यक्ष जगदेव सिंह खरड़िया, नरेंद्र मान व सीताराम काजलां ने जाट योद्धाओं के इतिहास व उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान बजरंग धींवा, समाजसेवी हेमन्त लुनायच, युवा जाट समाज अध्यक्ष रोहित मान, प्रमोद खेदड़, सुरेन्द्र गजराज, श्रीराम ठोलिया, कृष्ण बेनीवाल, चेतन्य देव, भवानी सिंह खरड़िया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कोसमिट- 2026 में नितिन जैन की चेतावनीः

अगले छह महीने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं सीखा तो ईरिलीवेन्ट हो जाओगे !

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 11 अप्रैल को कोसमिट- 2026 आयोजित हुआ। कोप्रेन्योर्स समुदाय ने इस एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें दो सौ से ज्यादा फाउंडर्स और सीएक्सओ शामिल हुए। बेंगलुरु, दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई से भी कई फाउंडर्स पहुंचे। सम्मेलन की शुरुआत में कोप्रेन्योर्स के सह-संस्थापकों ने कोक्लब लॉन्च किया। यह विकासशील चरण के फाउंडर्स के लिए आमंत्रण-केवल सदस्यता कार्यक्रम है, जिसमें मासिक बैठकें, मास्टरक्लास और नेटवर्किंग का अवसर मिलेगा।

मुख्य आकर्षण - ऑफबिजनेस के सह-संस्थापक और वनबाय.एआई के फाउंडर नितिन जैन ने कहा, 'आज सिर्फ दो लोगों की टीम अरब डॉलर की कंपनियां बना रही है, बाकी काम कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर रही है। अगले छह महीने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता नहीं सीखा तो आप भी ईरिलीवेन्ट हो सकते हैं।' शार्क टैंक फेम किरण शाह (गो जीरो आइसक्रीम्स) ने अपनी यात्रा साझा की – कैसे उन्होंने परिवार के व्यवसाय से डीटूसी ब्रांड बनाकर 35 लोगों की टीम के साथ सौ करोड़ रुपये से ज्यादा राजस्व हासिल किया। अन्य मास्टरक्लास में फंड जुटाने, टीम निर्माण, संस्कृति, लीड जनरेशन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स से वीडियो विज्ञापन बनाने जैसे व्यावहारिक विषय शामिल थे। फाउंडर्स ने बताया कि यह सम्मेलन सिर्फ प्रेरणा देने की बजाय वास्तविक और तुरंत लागू करने योग्य जानकारी पर केंद्रित था। कोप्रेन्योर्स 2014 से सक्रिय तीन सौ से ज्यादा फाउंडर्स का समुदाय है, जो व्यवसाय के साथ-साथ स्वास्थ्य, परिवार और कल्याण पर भी ध्यान देता है।

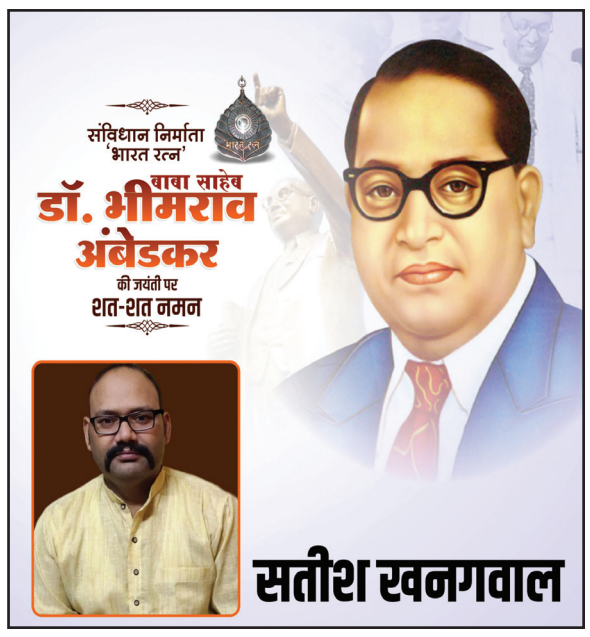

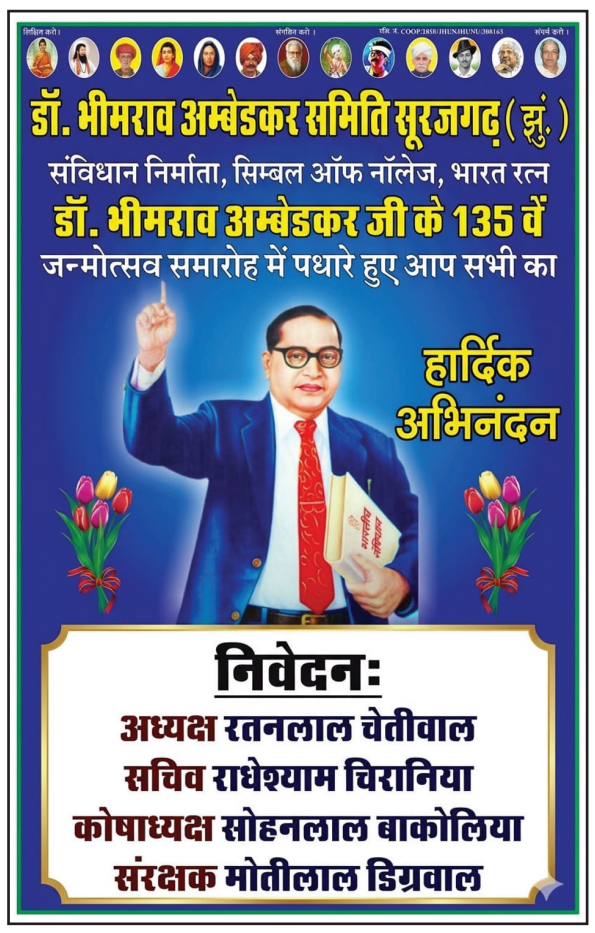

सरस निकुंज भागवत कथा में धूमधाम से मनाया नंदोत्सव प्रकटे हैं कुंवर कन्हाई यशोदा मैया दे दो बधाई.श्रोताओं ने लूटी उछाल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। सुभाष चौक दरीबा पान स्थित आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दौरान सोमवार को नंदोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में व्यासपीठ से मदन मोहन दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की आनंदमयी कथा का श्रवण कराया।नंदोत्सव के अवसर पर नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...प्रकटे हैं कुंवर कन्हाई यशोदा मैया दे दो बधाई...जैसे पारंपरिक बधाई गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम के दौरान फलों, टॉफी, चॉकलेट, कपड़े की जमकर उछाल की गई। भजनों की स्वर लहरियों पर श्रद्धालु झूम उठे। नृत्य करते हुए ठाकुर जी के जन्म की खुशी मनाई। पूरे पांडाल में जय कन्हैया लाल की के जयघोष गूंजते रहे। व्यासपीठ से प्रवचन करते हुए मदन मोहन दास महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक घटना नहीं, बल्कि धर्म, प्रेम और आनंद के प्राकट्य का प्रतीक है। नंदोत्सव हमें सिखाता है कि ईश्वर के आगमन पर जीवन में हर्ष, उल्लास और सेवा भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नंद बाबा के आंगन में जैसे उत्सव मनाया गया, उसी प्रकार हर भक्त के हृदय में भी प्रभु के जन्म का उत्सव मनना चाहिए। जब जीवन में भक्ति और सच्चे प्रेम का उदय होता है, तभी वास्तविक नंदोत्सव होता है।इस अवसर पर श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने पधारे संतों-महंतों एवं श्रद्धालुओं का सम्मान किया।

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा

दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

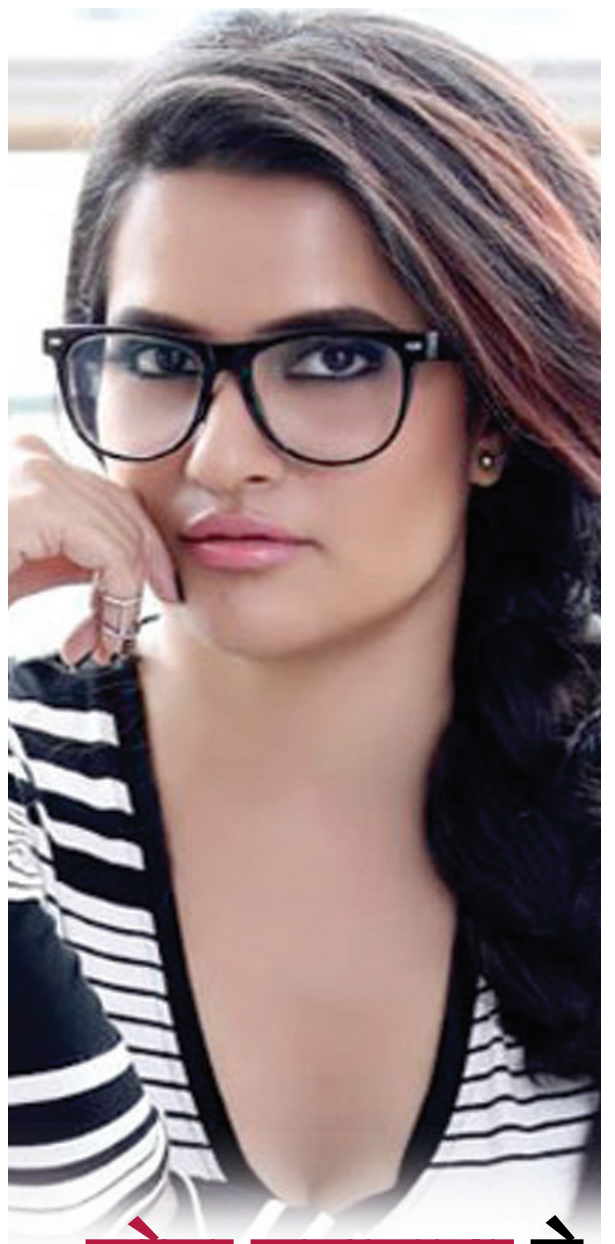

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं। अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।

सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें। सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब-किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक-दूसरे का साथ नहीं देता।'

सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आए हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीत:

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

फतेहाबाद पुलिस की पहल: स्कूल में विद्यार्थियों को साइबर क्राइम व ट्रैफिक नियमों के प्रति किया गया जागरूक

जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जागरूकता अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को साइबर अपराधों एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना शहर फतेहाबाद में तैनात सहायक उपनिरीक्षक भूप सिंह तथा ट्रैफिक पुलिस में तैनात मुख्य सिपाही राजेंद्र ने विद्यार्थियों को

संबोधित करते हुए साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं, इसलिए किसी भी अनजान कॉल, लिंक या मैसेज पर विश्वास नहीं करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अपनी निजी जानकारी गोपनीय रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करना सभी की सुरक्षा के लिए जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया कि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। साथ ही उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने और दूसरों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य अरविंदर आजाद, उप-प्राचार्य संतोष सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन ने फतेहाबाद पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। फतेहाबाद पुलिस द्वारा ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे, ताकि आमजन, विशेषकर युवा वर्ग को जागरूक कर सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सकें।

बार एसोसिएशन नीमराना में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । बार एसोसिएशन नीमराना में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशियां मनाईं और डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को याद किया। व बाबासाहब के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय सिंह यादव, मुकेश यादव, रविंद्र सांमरिया, सतीश निमोरिया, वीर सिंह यादव, अरविंद यादव, रामनिवास सामरिया, वेद प्रकाश सैनी, मनजीत कुमार सामदिया, जितेंद्र कुमार सामरिया, शेर सिंह यादव, नवीन बाला, अमित सोनी, प्राण सूख सैनी, पीतांबर, भूपेंद्र शर्मा, राकेश यादव, रेनू खेरिया, अजय पाल चौहान, विजय चौहान, मुकेश कुमार सिवल, ममता शर्मा, नवीन बरसीवाल, और देवेंद्र कुमार दोसादिया सहित समस्त अधिवक्ता उपस्थित रहे। अधिवक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन और कार्यों को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर के विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं और उनके आदर्शों को अपनाकर ही हम एक समृद्ध और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं।

अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर गुढ़ा गौड़जी में निकाली ऐतिहासिक भीम रैली

आईएएस डॉ मनोज तानेनिया ने भीम रैली को तिरंगा झंडा दिखाकर किया रवाना

जय भीम के नारों से गूंजा गुढ़ागौड़जी जम्बो मशीन से हुई पुष्प वर्षा

भीम प्रज्ञा न्यूज.गुढ़ागौड़जी।

सुमेर मीणा । कस्बे में संविधान निर्माता महामानव बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर ऐतिहासिक भीम रैली निकाली गई। भैंरु कॉलोनी से आईएएस डॉक्टर मनोज तानेनिया ने रैली को तिरंगा झंडा दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक अंबेडकर विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का फूलमाला, साफा और भीम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। अनीता महरिया के द्वारा 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अतिथियों द्वारा साफा, फूलमाला और भीम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। रैली में डीजे के साथ अंबेडकर, भगतसिंह, वाल्मीकि, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों के चित्रो से सजी बग्गीयां, ऊंट-घोड़ी, ढोल-नगाड़े, आतिशबाजी और जम्बो मशीन से पुष्प वर्षा देखकर हर कोई हतप्रभ रह गया। ऐसा लग रहा

था मानो गुढागौड़जी कस्बा नीले रंग में रंग गया हो। रैली के दौरान लोगों में भारी उत्साह और जोश देखने को मिला। जय भीम के नारों से कस्बा गूंज उठा। कस्बे की मुख्य गलियों और मार्गो पर भीम फरी और नीले झंडे लगाकर सजावट की गई। रैली भौड़की चौराहा, चंवरा मोड़ होते हुए पावरहाउस पहुंची जहां से वापसी में लोहारों के चौक, पंचपीरों का मोहल्ला, रामलीला मैदान होते हुए घूमचक्कर पहुंची। जहां से ताबुत रोड़ होते हुए रामदेव मंदिर होते हुए शिवम प्लाजा स्थित भीम कार्यालय पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। सर्व समाज के लोगों ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रैली में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुढा पुलिस मुस्तैद रही।अंबेडकर विचार मंच के पंकज खाजपुरिया और महेंद्र चनानिया ने बताया कि रैली में अनूप जैदिया, शक्तिमान वाल्मीकि, राहुल जाटव, लक्की कांटीवाल, उपसरपंच रोहितास टोडी, रामकरण नारोलिया, लक्की टोडी, रोहित कांटीवाल, राजेश कांटीवाल का शारीरिक योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम में उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी, पिलानी विधायक पितराम सिंह काला, सत्यपाल तानेनियां, पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, गुढा प्रशासक रामावतार दायमा, बामलास सरपंच जयपाल जाखड़, समाजसेवी सुरेश मीणा किशोरपुरा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष जयसिंह मांठ, विकास कालावत, रवींद्र सिंह पौंख, प्रीति काला, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अंशा वर्मा, मदनलाल लाल किशोरपुरा, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष विकास गुर्जर, भीम आर्मी ब्लॉक अध्यक्ष पवन मेघवाल, मोहनलाल कायल, गोकुल चंद माहिच, शीशराम खटाणा, भोजराज शर्मा, जितेन्द्र सिलोलिया, पूर्व सरपंच खयाली राम टोडी, पूर्व सरपंच रोहितास टीटनवाड़, जगदेव सिंह नंगली दीपसिंह, श्रवण कांटीवाल, नत्थू राम कांटीवाल, राजीव दायमा, विजेन्द्र गोठवाल, राजेंद्र गोरा, राकेश देवठिया, एडवोकेट सीताराम सेवदा सहित काफी संख्या सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती पर मोररका कॉलेज झुंझुनूं में सेमिनार व डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में राधेश्याम आर. मोररका राजकीय महाविद्यालय, झुन्झुनूं में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्) एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सेमिनार एवं डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र न्योला द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों की नई दिशा प्रदान की तथा उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। सेमिनार सत्र के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ वेदप्रकाश ने 'भारतीय संविधान एवं उसमें डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की भूमिका' विषय पर व्याख्यान देते हुए संविधान के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला।इसके पश्चात अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. बरखा ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन, संघर्ष एवं उनसे प्राप्त होने वाली प्रेरणाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. विकास मील व डॉ. आकांक्षा डूडी द्वारा किया गया।सेमिनार के उपरांत 'डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सामाजिक न्याय के दर्शन एवं उनके जीवन' विषय पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिससे विद्यार्थियों को बाबा साहेब के संघर्षमय जीवन, उनके द्वारा झेली गई सामाजिक विषमताओं तथा शिक्षा के माध्यम से हासिल की गई उनकी महान उपलब्धियों को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों प्रभारी सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में कई बड़े विकास प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में – दाधीच

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने अपने झुंझुनूं दौरे के दौरान हरियाणा से यमुना का पानी झुंझुनूं सहित शेखावाटी में लाने को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार झुंझुनूं के समग्र विकास के लिए गंभीरता से काम कर रही है और कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं जल्द धरातल पर उतरेंगी। मीडिया से बातचीत में दाधीच ने बताया कि जिले के विकास से जुड़े प्रमुख प्रोजेक्ट्स की डीपीआर तैयार हो चुकी है और शीघ्र ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जल्द शिलान्यास करेंगे। इससे पहले रोड नंबर तीन पर शाकंभरी कुंज में दाधीच का श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया तथा मंत्री प्रदीप पाटोदिया की अगुवाई में स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री गोपाल गौशाला के पूर्व मंत्री नेमी अग्रवाल, रघुनाथ पोद्दार, कर्मचारी नेता रामगोपाल शर्मा, भाजपा नेता पुरूषोत्तम खाजपुरिया आदि मौजूद थे। इस मौके पर दाधीच ने खास तौर पर यमुना जल परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना की डीपीआर भी तैयार हो चुकी है। दाधीच ने बताया कि झुंझुनूं तक यमुना का पानी लाने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं शिलान्यास करेंगे और इस परियोजना का शुभारंभ 2028 से पहले कर दिया जाएगा। दाधीच ने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है और झुंझुनूं में लगातार नए कार्य और योजनाएं लाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर जिले के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। जिसकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में झुंझुनूं में विकास की नई तस्वीर देखने को मिलेगी।

मास्टर प्लान बना ग्रामीणों के लिए मुसीबत का फरमान

रसीदपुर में आधी रात फूटा जनाक्रोश, 'ग्रामीणो ने कहा कि छत छीनी तो चुप नहीं बैठेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत रसीदपुर में प्रस्तावित मास्टर प्लान ने अब विकास बनाम विस्थापन की जंग को खुला मोर्चा बना दिया है, जहां रविवार देर रात दाऊजी मंदिर के सामने आयोजित ग्राम सभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का गवाह बना कि ग्रामीण अपने आशियानों पर किसी भी प्रकार का खतरा बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। हजारों की संख्या में जुटे महिला-पुरुष और युवाओं ने एक सुर में इस योजना को विनाशकारी बताते हुए प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि 'घर उजाड़ने की बात होगी तो सड़कों पर आगाज होगा।' सभा का माहौल उस समय और अधिक उग्र हो गया जब आक्रोशित लोगो ने इसे सीधे-सीधे गरीबों की मेहनत पर प्रहार करार दिया। एडवोकेट भुवनेश त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि गांव की आबादी पांच हजार से भी कम होने के बावजूद मास्टर प्लान थोपना न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि यह सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एक आम ग्रामीण जीवन भर की कमाई जोड़कर अपने सिर पर छत खड़ी करता है, ऐसे में विकास के नाम पर उस छत

को छीनना न तो नीति-संगत है और न ही संवैधानिक भावना के अनुरूप। उन्होंने पंचायत को आगाह करते हुए कहा कि इस संबंध में कोई भी प्रस्ताव पारित करना ग्रामीणों के विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात होगा। सभा में उठे स्वर केवल विरोध तक सीमित नहीं रहे, बल्कि विकास के वैकल्पिक रास्तों की भी जोरदार पैरवी की गई। लोगो ने कहा कि यदि प्रशासन वास्तव में ग्रामीण क्षेत्र का विकास चाहता है तो गांव के स्कूलों में विज्ञान संकाय शुरू कराए, सरकारी लाइब्रेरी स्थापित करे, पेयजल संकट का स्थायी समाधान निकाले और बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक्सप्रेस फीडर चालू कराए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इसके विपरीत मास्टर प्लान के जरिए सैकड़ों परिवारों को बेघर करने की आशंका ने पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का वातावरण पैदा कर दिया है। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से मास्टर प्लान के विरोध में प्रस्ताव पारित कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन भेजने का निर्णय लिया गया, जिसमें योजना को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उनकी आवाज को नजरअंदाज किया गया तो आंदोलन की राह अपनाई जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी। सभा में मौजूद लोगों ने दो टूक शब्दो में कहा कि, 'हमसे हमारी जमीन मत छीनो, यही हमारी पहचान है,' तथा उनके स्वर में यह चेतावनी साफ झलक रही थी– 'जो छत छीनने आएगा, उसे गांव का हर दरवाजा जवाब देगा।' इस मौके पर लखन कोली, विनोद जांगिड़, रामभरोसी सैनी, रामकिशन सैनी, अवधेश शर्मा, महेश शर्मा, धर्मचन्द सैनी, महेंद्र योगी, राजेश दफ्तरी, राजेश अवस्थी, भुपेन्द्र सोनी, पूरण जैमन, विनय तिवाड़ी, हरिओम सैन, राजेश जैन, कुलभूषण जैन, अकबर पहलवान, कमल प्रजापत, कैलाश चौबदार, रामसिंह बैरवा, शिवदत्त बैरवा, मनीष बैरवा सहित सर्व समाज के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

चिड़ावा में अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा नगर मंडल द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार शाम अंबेडकर भवन चिड़ावा में बाबा साहेब की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। बौद्धिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर फूलों के हार चढ़ाए और दीपक जलाकर उनकी स्मृति को नमन

किया। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश दहिया,नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर,पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल रामचंद्र शर्मा, रोहिताश महरानिया, मोहित तामडायत, गंगाधर सैनी पार्षद, मंजीत पार्षद, विश्वनाथ स्वामी, पीयूष बाछुका, मंगेश भगत, एडवोकेट उम्मेद बरवड, ओमप्रकाश चंदेलिया, प्रदीप चंदेलिया संतोष सैनी मोहन लाल जी नायक, मनोज स्वामी सहित उपस्थित लोगों ने अंबेडकर जी के योगदान को याद करते हुए संकल्प लिया कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में समानता, न्याय और शिक्षा का प्रसार किया जाएगा।

एमडी ग्रुप के पूर्व छात्र मोहित महला का SSC-CGL में चयन, ऑल इंडिया 1140वीं रैंक के साथ बने रह

संस्थान में हुआ भव्य सम्मान

इस गौरवमयी उपलब्धि पर एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी और मैनेजिंग डायरेक्टर समित डाँगी ने मोहित का तिलक लगाकर, माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान उपस्थित प्रबंधन सदस्यों ने मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन झुंझुनूं जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों और IIT, नीट व बोर्ड परीक्षाओं के उत्कृष्ट परिणामों के लिए एक विशिष्ट पहचान रखता है। वर्तमान में यहाँ ह्ह्ह्ञ और नीट की फाउंडेशन व टारगेट कक्षाएं भी सुचारू रूप से संचालित हैं। सम्मान समारोह के दौरान संस्थान के समस्त सदस्य और अध्यापक मौजूद रहें।

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित SSC-CGL परीक्षा में क्षेत्र के मोहित महला ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए सफलता हासिल की है। बख्तावरपुरा निवासी चंद्रभान महला के पुत्र मोहित ने ऑल इंडिया 1140वीं रैंक प्राप्त कर असिस्टेंट सेक्शन ऑफिस के पद पर चयन सुनिश्चित किया है। मोहित एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन, चिड़ावा के फाउंडेशन बैच के पूर्व विद्यार्थी रहे हैं। उनकी इस बड़ी उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर है। अपनी सफलता का श्रेय मोहित ने संस्थान के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया। परिणाम आने के बाद मोहित सीधे अपनी शिक्षा-स्थली एम.डी. ग्रुप परिसर पहुंचे और वहां अपने मार्गदर्शकों व अध्यापकों के साथ इस खुशी को साझा किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के दौरान संस्थान के फाउंडेशन बैच में मिली पूर्व शिक्षा और मजबूत आधार का उनकी सफलता में विशेष योगदान रहा।

फुले व अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित,70 युनिट हुए संग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिराना।

कस्बे में मांगीलाल जी की धर्मशाला में सोमवार को महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केन्द्र चिराना के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फुले व डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल रहे। कार्यक्रम में झुंझुनूं सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर ने भी शिरकत की । आयोजक चांदोलिया परिवार कि ओर से अतिथियों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं का होंसला बढ़ाया गया तथा आयोजकों को धन्यवाद दिया। रक्तदान शिविर में गुरुकृपा ब्लड बैंक व एस.के. हास्पिटल की ब्लड यूनिट टीम ने कुल 70 युनिट्स रक्त का संग्रहण किया। आयोजक चांदोलिया परिवार ने शिविर में सहयोग देने वालें कार्यकताओं का सम्मानित किया व पर्यावरण को बढ़ावा देते हुए सभी को पौधा लगा गमला भी दिया।कार्यक्रम का मंच संचालन अध्यापक संतोष कुमावत व रामावतार कल्याण ने किया ।इस दौरान महंत योगी दास महाराज गोल्याना गौशाला, प्रशासक राजेन्द्र सिंह शेखावत, डॉ राजेन्द्र

कुमावत,गिरधारी लाल चांदोलिया,प्रभाती लाल सैनी,लोहार्गल प्रशासक जगमोहन सिंह शेखावत,रामदेव जांगिड़,बिरजू राम कुमावत, अनिल बारी,वीरेंद्र सिंह शेखावत,विक्रम सिंह तंवर,जॉन चेयरमैन वीर डॉ सत्य नारायण शुक्ला,जॉन सेक्रेटरी सुमेर सिंह कर्णावत,सुशील कुमार अग्रवाल,बाबुलाल सैनी, रामलाल कुमावत,बसेसर छिनवाल,रामावतार सिहोत्रा, रिछपाल सैनी,मनोहर लाल जांगिड़, ओमप्रकाश चांदोलिया, प्रभु दयाल,चांदोलिया, परसाराम, श्रवण चंदेल,रणजीत सिहोत्रा, मनोज कल्याण, छोटेलाल माहिच,चेतन कुमावत,राकेश कुमावत, सुशील कुमावत,राहुल कल्याण,रवि सैनी सहित कई गौ रक्षक दल के सदस्यों सहित सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को दी श्रृद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

विवेकानंद पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल काजड़ा में जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को प्रशासक मंजू तंवर के नेतृत्व में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्था प्रधान शिक्षाविद् मनजीत सिंह तंवर ने 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में अंग्रेजी हुकूमत द्वारा निहत्थे

भारतीयों पर की गई गोलीबारी को स्वतंत्रता संग्राम की सबसे दुखद और निर्णायक घटनाओं में से एक बताते हुए शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया और महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन की नींव मजबूत हुई। कार्यक्रम में शिक्षाविद् जगदीश प्रसाद सैन, प्रताप सिंह तंवर, आदर्श समाज समिति इंडिया के अध्यक्ष धर्मपाल गांधी, वैद्य जयप्रकाश स्वामी, विनोद सोनी, राय सिंह शेखावत, प्रकाश मेघवाल, सरोज स्वामी, होशियार सिंह सहित अन्य लोगों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com